एक चमत्कारी मलहम गर्भ से

बच्चा जब मां के पेट में होता है तो उसके आसपास एक मक्खनी अस्तर होता है जो उसकी सुरक्षा करता है और उसका पोषण भी करता है। अब इस अस्तर का उपयोग बच्चादानी के बाहर भी करने की योजना है।

प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले इस अस्तर को वर्निक्स कैसिओसा कहते हैं और यह कई वसीय यौगिकों का एक मिश्रण होता है। यह भ्रूण को वॉटरप्रूफ बना देता है। इस अस्तर में कॉर्नियोसाइट्स नामक मृत कोशिकाएं भी पाई जाती हैं। ये मृत कोशिकाएं ढेर सारा पानी संग्रहित कर लेती हैं और भ्रूण को सूखने से बचाती हैं। इसके अलावा यह अस्तर संक्रमण वगैरह से भ्रूण की रक्षा भी करता है।

इस हरफनमौला पदार्थ की नकल करते हुए नीदरलैण्ड विश्वविद्यालय के जोक बूवस्ट्रा और रॉबर्ट रिसमैन ने इसके जैसा ही एक मिश्रण प्रयोगशाला में तैयार किया। इस मिश्रण में उन्होंने तमाम किस्म के वसीय पदार्थ - लेनोलिन, वसीय अम्ल, सिरेमाइड्स और कोलेस्ट्रॉल वगैरह - मिलाए थे। इस प्रकार बने मलहम की जांच क्षतिग्रस्त त्वचा की मरम्मत के संदर्भ में की गई।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्माश्यूटिकल्स में प्रकाशित शोध पत्र में उन्होंने बताया है कि जब यह मलहम त्वचा का एक हिस्सा गंवा चुके चूहों पर लगाया गया तो उनकी त्वचा की मरम्मत अन्य चूहों की अपेक्षा तीन गुना तेज़ी से हुई है। इस मलहम ने घाव की मरम्मत में तो मदद की ही, यह एक्ज़ीमा के उपचार में भी कारगर पाया गया। बूवस्ट्रा और रिसमैन मानते हैं कि यह जल्दी ही त्वचा रोगों के लिए एक इलाज का रूप ले सकता है। ***(स्रोत फीचर्स)***